



भारत सरकार
पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय
भारत मौसम विज्ञान विभाग



प्रेस विज्ञप्ति

तारीख: 29 अक्टूबर, 2026

जारी करने का समय: 1415 घंटे

विषय: (i) दक्षिण छत्तीसगढ़ और उससे सटे दक्षिण ओडिशा के ऊपर बने डिप्रेशन (चक्रवात "अर्नब" के अवशेष) के प्रभाव के कारण, आज 29 अक्टूबर को पूर्वी छत्तीसगढ़ और उससे सटे उत्तरी ओडिशा में, तथा 30 अक्टूबर 2026 को उत्तरी बिहार में कहीं-कहीं बहुत भारी बारिश होने की प्रबल संभावना है।

(ii) दक्षिण अंडमान सागर और उसके आसपास के क्षेत्रों में एक कम दबाव का क्षेत्र (low pressure area) बना है। इसके पश्चिम-उत्तर-पश्चिम की ओर बढ़ने और लगभग 31 अक्टूबर तक दक्षिण-पूर्वी बंगाल की खाड़ी तथा अंडमान और निकोबार द्वीप समूह और अंडमान सागर के आसपास के क्षेत्रों में एक डिप्रेशन में तब्दील होने की प्रबल संभावना है। इसके बाद, इसके और अधिक तीव्र होने और अगले 2 दिनों के दौरान पश्चिम-उत्तर-पश्चिम की ओर आंध्र प्रदेश के तट की तरफ बढ़ने की संभावना है।

(iii) वेस्टर्न डिस्टर्बेंस (पश्चिमी विक्षोभ) के प्रभाव के कारण, 30 अक्टूबर को उत्तराखंड में और 29-30 अक्टूबर के दौरान पूर्वी उत्तर प्रदेश में कहीं-कहीं भारी से बहुत भारी बारिश होने की संभावना है। इसके अलावा, 29 अक्टूबर को हिमाचल प्रदेश, जम्मू-कश्मीर-लद्दाख और पंजाब में; 30 अक्टूबर को उत्तराखंड और पश्चिमी उत्तर प्रदेश में; तथा 29-30 अक्टूबर के दौरान पूर्वी राजस्थान और हरियाणा में कहीं-कहीं ओलावृष्टि होने की संभावना है।

आज, 29 अक्टूबर, 2026 को सुबह 08:30 बजे IST तक पिछले 24 घंटों में दर्ज किया गया मौसम:

- ❖ ओडिशा में असाधारण भारी बारिश (55 सेमी) दर्ज की गई है।
- ❖ तटीय आंध्र प्रदेश और यनम में अत्यधिक भारी बारिश (>21 सेमी) दर्ज की गई है।
- ❖ गंगा के मैदानी पश्चिम बंगाल, झारखंड, छत्तीसगढ़ और तेलंगाना में भारी बारिश (7-11 सेमी) दर्ज की गई है।

मौसम प्रणालियाँ, पूर्वानुमान और चेतावनियाँ (अनुलग्नक I और II):

- ❖ तटीय आंध्र प्रदेश, यनम और उससे सटे पश्चिम-मध्य बंगाल की खाड़ी के ऊपर कल मौजूद भीषण चक्रवाती तूफान "अर्नब" कमजोर होकर, कल 28 अक्टूबर को 1730 बजे IST पर उसी क्षेत्र में एक चक्रवाती तूफान में बदल गया। इसके बाद, कल 28 अक्टूबर को 2330 बजे IST पर यह और कमजोर होकर उत्तरी तटीय आंध्र प्रदेश तथा उससे सटे दक्षिणी ओडिशा, दक्षिणी छत्तीसगढ़ और पूर्वोत्तर तेलंगाना के क्षेत्रों में एक 'डीप डिप्रेशन' (गहरे दबाव के क्षेत्र) में तब्दील हो गया। आज, 29 अक्टूबर को 0530 बजे IST पर यह और कमजोर होकर एक 'डिप्रेशन' (दबाव के क्षेत्र) में बदल गया और दक्षिणी छत्तीसगढ़ तथा उससे सटे दक्षिणी ओडिशा के ऊपर केंद्रित रहा। पिछले 6 घंटों के दौरान यह लगभग उत्तर दिशा की ओर 18 किमी प्रति घंटे की गति से आगे बढ़ा। आज, 29 अक्टूबर को 0830 बजे IST पर यह उसी क्षेत्र में, लगभग 19.4°N अक्षांश और 81.9°E देशांतर के पास स्थित था। यह जगदलपुर (छत्तीसगढ़) से लगभग 40 किमी उत्तर-उत्तरपश्चिम, टिटलागढ़ (ओडिशा) से 180 किमी दक्षिण-पश्चिम, भवानीपटना (ओडिशा) से 150 किमी पश्चिम-दक्षिणपश्चिम, रायपुर (ओडिशा) से 200 किमी दक्षिण और संबलपुर (ओडिशा) से 310 किमी दक्षिण-पश्चिम में स्थित था। इसके आगे भी लगभग उत्तर दिशा की ओर बढ़ने और आज, 29 अक्टूबर 2026 की शाम तक उत्तरी छत्तीसगढ़ तथा उससे सटे उत्तर-पश्चिमी ओडिशा के ऊपर एक 'वेल मार्क' (लो प्रेशर एरिया) (स्पष्ट कम दबाव का क्षेत्र) में कमजोर हो जाने की प्रबल संभावना है।
- ❖ दक्षिण अंडमान सागर और उसके आस-पास के क्षेत्रों में कल मौजूद 'अपर एयर साइक्लोनिक सर्कुलेशन' (ऊपरी वायुमंडलीय चक्रवाती परिसंचरण) के प्रभाव के कारण, उसी क्षेत्र में आज, 29 अक्टूबर 2026 को सुबह 05:30 बजे (IST) एक 'लो प्रेशर एरिया' (कम दबाव का क्षेत्र) बना, जो सुबह 08:30 बजे (IST) भी उसी जगह पर बना रहा। इसके पश्चिम-उत्तर-पश्चिम दिशा की ओर बढ़ने और लगभग 31 अक्टूबर तक दक्षिण-पूर्वी बंगाल की खाड़ी तथा अंडमान और निकोबार द्वीप समूह और

अंडमान सागर के आस-पास के क्षेत्रों में एक 'डिप्रेशन' (गहरा कम दबाव का क्षेत्र) में तब्दील होने की प्रबल संभावना है। इसके बाद, इसके और अधिक तीव्र होने और अगले 2 दिनों तक पश्चिम-उत्तर-पश्चिम दिशा में आंध्र प्रदेश के तट की ओर आगे बढ़ने की संभावना है।

- ❖ एक 'वेस्टर्न डिस्टर्बेंस' (पश्चिमी विक्षोभ) उत्तरी पाकिस्तान और उसके आस-पास के क्षेत्रों में निचले वायुमंडलीय स्तर पर एक 'साइक्लोनिक सर्कुलेशन' (चक्रवाती परिसंचरण) के रूप में मौजूद है। इसके साथ ही, मध्य और ऊपरी वायुमंडलीय स्तर पर एक 'ट्रफ' (हवा का गर्त) भी है, जिसकी धुरी समुद्र तल से लगभग 5.8 किमी ऊपर, 22°N अक्षांश के उत्तर में और 68°E देशांतर के आसपास स्थित है।
- ❖ दक्षिणी पंजाब और उसके आस-पास के क्षेत्रों में निचले वायुमंडलीय स्तर पर एक 'अपर एयर साइक्लोनिक सर्कुलेशन' (ऊपरी वायुमंडलीय चक्रवाती परिसंचरण) मौजूद है।
- ❖ दक्षिणी कोंकण और उसके आस-पास के क्षेत्रों में निचले वायुमंडलीय स्तर पर एक 'अपर एयर साइक्लोनिक सर्कुलेशन' मौजूद है।
- ❖ दक्षिणी छत्तीसगढ़ और उससे सटे दक्षिणी ओडिशा के ऊपर मौजूद 'डिप्रेशन' से जुड़ा एक 'साइक्लोनिक सर्कुलेशन' है। यहाँ से एक 'ट्रफ' तेलंगाना और उत्तरी आंतरिक कर्नाटक से होते हुए दक्षिणी कोंकण के 'साइक्लोनिक सर्कुलेशन' तक जा रही है। यह स्थिति निचले वायुमंडलीय स्तर पर बनी हुई है।
- ❖ उत्तरी हरियाणा और उसके आस-पास के क्षेत्रों में निचले वायुमंडलीय स्तर पर एक 'अपर एयर साइक्लोनिक सर्कुलेशन' मौजूद है।

ऊपर बताई गई प्रणालियों के असर से, निम्नलिखित मौसम की संभावना है:

दक्षिण प्रायद्वीपीय भारत:

- ❖ 29 अक्टूबर से 4 नवंबर के बीच रायलसीमा, तमिलनाडु, पुडुचेरी और कराईकल में; 29 अक्टूबर से 1 नवंबर के बीच केरल, माहे और दक्षिण आंतरिक कर्नाटक में; 2 से 4 नवंबर के बीच लक्षद्वीप में; 29 अक्टूबर और 31 अक्टूबर से 1 नवंबर के बीच तटीय कर्नाटक में; 30 अक्टूबर से 4 नवंबर के बीच उत्तर आंतरिक कर्नाटक में; 29 अक्टूबर से 1 नवंबर और 4 नवंबर को तटीय आंध्र प्रदेश और यनम में; तथा 29 अक्टूबर से 1 नवंबर और 3 से 4 नवंबर के बीच तेलंगाना में कहीं-कहीं या कुछ जगहों पर बारिश होने की संभावना है।
- ❖ 2 से 4 नवंबर के बीच तटीय कर्नाटक, केरल, माहे और दक्षिण आंतरिक कर्नाटक में; 2 से 3 नवंबर के बीच तटीय आंध्र प्रदेश और यनम में; तथा 2 नवंबर को तेलंगाना में काफी व्यापक या व्यापक बारिश होने की संभावना है।
- ❖ 2 नवंबर को तटीय आंध्र प्रदेश और यनम में कहीं-कहीं आंधी-तूफान, बिजली गिरने और तेज हवाएं (40-50 किमी प्रति घंटे की रफ्तार, जो 60 किमी प्रति घंटे तक पहुंच सकती है) चलने की संभावना है। इसके अलावा, 1 से 2 नवंबर के बीच केरल, माहे, उत्तर आंतरिक कर्नाटक और दक्षिण आंतरिक कर्नाटक में; 29 अक्टूबर से 1 नवंबर के बीच तटीय आंध्र प्रदेश और यनम में; तथा 29 अक्टूबर से 2 नवंबर के बीच रायलसीमा में तेज हवाएं (30-40 किमी प्रति घंटे की रफ्तार, जो 50 किमी प्रति घंटे तक पहुंच सकती है) चलने की संभावना है।
- ❖ 3 से 4 नवंबर के बीच तमिलनाडु, पुडुचेरी और कराईकल में; तथा 1 से 2 नवंबर के बीच तटीय कर्नाटक में कहीं-कहीं आंधी-तूफान आने और बिजली गिरने की संभावना है।
- ❖ 3 से 4 नवंबर के बीच तमिलनाडु, पुडुचेरी और कराईकल में; तथा 2 से 3 नवंबर के बीच तटीय कर्नाटक, केरल, माहे और दक्षिण आंतरिक कर्नाटक में कहीं-कहीं भारी बारिश होने की संभावना है। तटीय आंध्र प्रदेश और यनम में 29 अक्टूबर, 1 नवंबर और 4 नवंबर को बारिश होने की संभावना है; इसके अलावा 2-3 नवंबर के दौरान तटीय आंध्र प्रदेश और यनम में कहीं-कहीं बहुत भारी बारिश भी हो सकती है।
- ❖ 1-2 नवंबर के दौरान तेलंगाना में आंधी-तूफान (हवा की गति 50-60 किमी प्रति घंटा, जो झोंकों के साथ 70 किमी प्रति घंटा तक पहुंच सकती है) आने की संभावना है।
- ❖ 1-2 नवंबर के दौरान उत्तरी आंतरिक कर्नाटक और दक्षिणी आंतरिक कर्नाटक में; और 29 अक्टूबर से 2 नवंबर के दौरान तटीय आंध्र प्रदेश, यनम और रायलसीमा में तेज सतही हवाएं चलने की संभावना है।

पूर्वी भारत:

- ❖ 29-31 अक्टूबर के दौरान अंडमान और निकोबार द्वीप समूह तथा उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम में; 29-30 अक्टूबर के दौरान बिहार, गंगा के मैदानी पश्चिम बंगाल और झारखंड में; तथा 29-30 अक्टूबर और 1 नवंबर को ओडिशा में काफी व्यापक से लेकर व्यापक बारिश होने की संभावना है।
- ❖ 1-4 नवंबर के दौरान अंडमान और निकोबार द्वीप समूह तथा उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम में; 31 अक्टूबर से 4 नवंबर के दौरान बिहार, गंगा के मैदानी पश्चिम बंगाल और झारखंड में; तथा 31 अक्टूबर और 2-4 नवंबर के दौरान ओडिशा में कहीं-कहीं बारिश होने की संभावना है।
- ❖ 29 अक्टूबर और 31 अक्टूबर को अंडमान और निकोबार द्वीप समूह में; 29 अक्टूबर को गंगा के मैदानी पश्चिम बंगाल और झारखंड में; 29-31 अक्टूबर के दौरान बिहार में; तथा 29-30 अक्टूबर और 1-2 नवंबर के दौरान ओडिशा में कहीं-कहीं आंधी-तूफान, बिजली कड़कने और तेज हवाएं (गति 40-50 किमी प्रति घंटा, जो झोंकों के साथ 60 किमी प्रति घंटा तक पहुंच सकती है) चलने की संभावना है। इसके अलावा, 29-31 अक्टूबर के दौरान उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम में, तथा 30 अक्टूबर को गंगा के मैदानी पश्चिम बंगाल में तेज हवाएं (गति 30-40 किमी प्रति घंटा, जो झोंकों के साथ 50 किमी प्रति घंटा तक पहुंच सकती है) चलने की संभावना है।
- ❖ 29 और 31 अक्टूबर को अंडमान और निकोबार द्वीप समूह में; 30 अक्टूबर को झारखंड में; 29 अक्टूबर को गंगा के मैदानी पश्चिम बंगाल और उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल व सिक्किम में; तथा 1 और 3 नवंबर को ओडिशा में कहीं-कहीं भारी बारिश होने की संभावना है। इसके अलावा, 30 अक्टूबर को अंडमान और निकोबार द्वीप समूह तथा उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम में; 29 अक्टूबर को बिहार और झारखंड में; और 2 नवंबर को ओडिशा में कहीं-कहीं बहुत भारी बारिश होने की संभावना है।
- ❖ 30 अक्टूबर को उत्तरी बिहार में और 29 अक्टूबर को ओडिशा में कहीं-कहीं अत्यधिक भारी बारिश होने की संभावना है।
- ❖ 30 अक्टूबर को अंडमान और निकोबार द्वीप समूह में आंधी-तूफान (जिसमें हवा की गति 50-60 किमी प्रति घंटा हो सकती है और झोंकों के साथ 70 किमी प्रति घंटा तक पहुंच सकती है) आने की संभावना है।

मध्य भारत:

- ❖ 29 अक्टूबर से 4 नवंबर के बीच पश्चिमी मध्य प्रदेश; 30 अक्टूबर से 4 नवंबर के बीच पूर्वी मध्य प्रदेश; 29 अक्टूबर से 1 नवंबर के बीच विदर्भ; और 1 से 2 नवंबर के बीच छत्तीसगढ़ में कहीं-कहीं या कुछ जगहों पर बारिश होने की संभावना है।
- ❖ 29 अक्टूबर को पूर्वी मध्य प्रदेश में; और 29 से 31 अक्टूबर तथा 3 से 4 नवंबर के बीच छत्तीसगढ़ में काफी बड़े इलाके में या लगभग सभी जगहों पर बारिश होने की संभावना है।
- ❖ 29 अक्टूबर को पूर्वी मध्य प्रदेश में; और 1 से 2 नवंबर के बीच छत्तीसगढ़ में कहीं-कहीं आंधी-तूफान, बिजली गिरने और तेज हवाएं (40-50 किमी प्रति घंटा, झोंकों के साथ 60 किमी प्रति घंटा तक) चलने की संभावना है। इसके अलावा, 29 से 31 अक्टूबर के बीच पश्चिमी मध्य प्रदेश में; और 30 अक्टूबर से 2 नवंबर के बीच पूर्वी मध्य प्रदेश में तेज हवाएं (30-40 किमी प्रति घंटा, झोंकों के साथ 50 किमी प्रति घंटा तक) चलने की संभावना है।
- ❖ 29 अक्टूबर से 1 नवंबर के बीच विदर्भ में; और 30 से 31 अक्टूबर के बीच छत्तीसगढ़ में कहीं-कहीं आंधी-तूफान आने और बिजली गिरने की संभावना है।
- ❖ 29 अक्टूबर को पूर्वी मध्य प्रदेश और विदर्भ में; और 1 से 2 नवंबर के बीच छत्तीसगढ़ में कहीं-कहीं भारी बारिश होने की संभावना है।
- ❖ 29 अक्टूबर को छत्तीसगढ़ में कहीं-कहीं बहुत भारी बारिश होने की संभावना है।
- ❖ 29 अक्टूबर को छत्तीसगढ़ में आंधी-तूफान (हवा की गति 50-60 किमी प्रति घंटा, झोंकों के साथ 70 किमी प्रति घंटा तक) आने की संभावना है।

उत्तर-पश्चिम भारत:

- ❖ 29-30 अक्टूबर और 1 नवंबर को जम्मू-कश्मीर-लद्दाख-गिलगित-बाल्टिस्तान-मुजफ्फराबाद में; 29 अक्टूबर से 2 नवंबर के बीच हिमाचल प्रदेश में; और 30 अक्टूबर से 2 नवंबर के बीच उत्तराखंड में कहीं-कहीं या कुछ जगहों पर बारिश होने की संभावना है।

- ❖ 29-31 अक्टूबर के बीच पंजाब और पश्चिमी उत्तर प्रदेश में; 31 अक्टूबर को हरियाणा, चंडीगढ़ और दिल्ली में; 31 अक्टूबर से 4 नवंबर के बीच पूर्वी उत्तर प्रदेश में; 29-30 अक्टूबर के बीच पश्चिमी राजस्थान में; और 29 अक्टूबर से 1 नवंबर के बीच पूर्वी राजस्थान में कहीं-कहीं या कुछ जगहों पर बारिश होने की संभावना है।
- ❖ 29 अक्टूबर को उत्तराखंड में काफी बड़े इलाके में या लगभग सभी जगहों पर बारिश होने की संभावना है।
- ❖ 29-30 अक्टूबर के बीच पूर्वी उत्तर प्रदेश और हरियाणा, चंडीगढ़ व दिल्ली में काफी बड़े इलाके में या लगभग सभी जगहों पर बारिश होने की संभावना है।
- ❖ 29-30 अक्टूबर को जम्मू-कश्मीर-लद्दाख-गिलगित-बाल्टिस्तान-मुजफ्फराबाद में; 29 अक्टूबर को हिमाचल प्रदेश में; और 30 अक्टूबर को उत्तराखंड में कहीं-कहीं आंधी-तूफान, बिजली कड़कने और तेज हवाएं (40-50 किमी प्रति घंटा की रफ्तार, जो 60 किमी प्रति घंटा तक पहुंच सकती है) चलने की संभावना है। इसके अलावा, 29 अक्टूबर को उत्तराखंड में तेज हवाएं (30-40 किमी प्रति घंटा की रफ्तार, जो 50 किमी प्रति घंटा तक पहुंच सकती है) चलने की संभावना है।
- ❖ 30 अक्टूबर को पंजाब में; और 29-30 अक्टूबर के बीच पूर्वी राजस्थान में कहीं-कहीं आंधी-तूफान, बिजली कड़कने और तेज हवाएं (40-50 किमी प्रति घंटा की रफ्तार, जो 60 किमी प्रति घंटा तक पहुंच सकती है) चलने की संभावना है। साथ ही, 29-30 अक्टूबर के बीच पूर्वी उत्तर प्रदेश, पश्चिमी राजस्थान और पश्चिमी उत्तर प्रदेश में तेज हवाएं (30-40 किमी प्रति घंटा की रफ्तार, जो 50 किमी प्रति घंटा तक पहुंच सकती है) चलने की संभावना है।
- ❖ 30 अक्टूबर को हिमाचल प्रदेश में कहीं-कहीं आंधी-तूफान आने और बिजली कड़कने की संभावना है।
- ❖ 30 अक्टूबर को उत्तराखंड में कहीं-कहीं भारी बारिश होने की संभावना है। इसके अलावा, 29-30 अक्टूबर के दौरान पूर्वी उत्तर प्रदेश में भी कहीं-कहीं बहुत भारी बारिश हो सकती है।
- ❖ 29 अक्टूबर को पंजाब में; और 29-30 अक्टूबर के दौरान हरियाणा, चंडीगढ़ व दिल्ली में आंधी-तूफान (हवा की गति 50-60 किमी प्रति घंटा, जो झोंकों के साथ 70 किमी प्रति घंटा तक पहुंच सकती है) आने की संभावना है।
- ❖ 29 अक्टूबर को हिमाचल प्रदेश, जम्मू-कश्मीर-लद्दाख-गिलगित-बाल्टिस्तान-मुजफ्फराबाद और पंजाब में; 30 अक्टूबर को उत्तराखंड और पश्चिमी उत्तर प्रदेश में; तथा 29-30 अक्टूबर के दौरान पूर्वी राजस्थान और हरियाणा, चंडीगढ़ व दिल्ली में कहीं-कहीं ओलावृष्टि होने की संभावना है।

पूर्वोत्तर भारत:

- ❖ 29 अक्टूबर से 4 नवंबर के बीच अरुणाचल प्रदेश, असम और मेघालय, तथा नागालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा में कहीं-कहीं या कुछ जगहों पर बारिश होने की संभावना है।
- ❖ 29 से 30 अक्टूबर के बीच असम और मेघालय में; और 29 अक्टूबर को नागालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा में कहीं-कहीं आंधी-तूफान आने और बिजली गिरने की संभावना है।
- ❖ 2 से 3 नवंबर के बीच अरुणाचल प्रदेश में कहीं-कहीं भारी बारिश होने की संभावना है। 3 नवंबर को असम और मेघालय में।

पश्चिम भारत:

- ❖ 29-30 अक्टूबर के दौरान कोंकण और गोवा तथा मराठवाड़ा में; 29-31 अक्टूबर के दौरान गुजरात क्षेत्र और मध्य महाराष्ट्र में; और 30-31 अक्टूबर के दौरान सौराष्ट्र और कच्छ में कहीं-कहीं बारिश होने की संभावना है।
- ❖ 29 अक्टूबर को कोंकण और गोवा, मध्य महाराष्ट्र और मराठवाड़ा में कहीं-कहीं आंधी-तूफान, बिजली कड़कने और तेज हवाएं (30-40 किमी प्रति घंटे की रफ्तार, जो 50 किमी प्रति घंटे तक पहुंच सकती है) चलने की संभावना है।

हवा संबंधी चेतावनी:

- ❖ उत्तर-पश्चिम बंगाल की खाड़ी से सटे इलाकों और ओडिशा तथा पश्चिम बंगाल के तटों के पास: 29 अक्टूबर की दोपहर तक तेज़ हवाएं चलने की संभावना है, जिनकी गति 35-45 किमी प्रति घंटा (झोंकों के साथ 55 किमी प्रति घंटा तक) हो सकती है। इसके बाद हवा की गति धीरे-धीरे कम हो जाएगी।
- ❖ उत्तरी छत्तीसगढ़ के जिले: छत्तीसगढ़ के सुदूर दक्षिणी जिलों (रायगढ़, सुकमा, दंतेवाड़ा, बीजापुर और बस्तर) में तेज़ हवाएं चलने की संभावना है, जिनकी गति 45-55 किमी प्रति घंटा (झोंकों के साथ 65 किमी प्रति घंटा तक) हो सकती है।

- ❖ 29 अक्टूबर को उत्तरी अंडमान सागर में तेज़ हवाओं (35-45 किमी प्रति घंटा, जो झोंकों के साथ 55 किमी प्रति घंटा तक पहुँच सकती हैं) के साथ खराब मौसम रहने की प्रबल संभावना है।
- ❖ 29 अक्टूबर को दक्षिणी अंडमान सागर और उससे सटे अंडमान और निकोबार द्वीप समूह में तेज़ हवाओं (35-45 किमी प्रति घंटा, जो झोंकों के साथ 55 किमी प्रति घंटा तक पहुँच सकती हैं) के साथ खराब मौसम रहने की संभावना है। 30 अक्टूबर को हवा की गति बढ़कर 40-50 किमी प्रति घंटा (झोंकों के साथ 60 किमी प्रति घंटा तक) हो सकती है।
- ❖ दक्षिण-पूर्वी बंगाल की खाड़ी के आस-पास के इलाकों में तेज़ हवाओं (35-45 किमी प्रति घंटा, जो झोंकों के साथ 55 किमी प्रति घंटा तक पहुँच सकती हैं) के साथ खराब मौसम रहने की संभावना है। 30 अक्टूबर को अंडमान और निकोबार द्वीप समूह के पास दक्षिण-पूर्वी बंगाल की खाड़ी में हवा की गति बढ़कर 40-50 किमी प्रति घंटा (झोंकों के साथ 60 किमी प्रति घंटा तक) हो सकती है, और 31 अक्टूबर को इसी क्षेत्र में हवा की गति 45-55 किमी प्रति घंटा (झोंकों के साथ 65 किमी प्रति घंटा तक) तक पहुँच सकती है।

समुद्र की स्थिति:

- ❖ उत्तर-पश्चिम बंगाल की खाड़ी से सटे इलाकों और ओडिशा तथा पश्चिम बंगाल के तटों के पास: 29 अक्टूबर की दोपहर तक उत्तर-पश्चिम बंगाल की खाड़ी और पश्चिम बंगाल के तटों के पास समुद्र की स्थिति खराब (rough) रहने की संभावना है। इसके बाद स्थिति धीरे-धीरे बेहतर हो जाएगी।

मछुआरों के लिए चेतावनी:

- ❖ मछुआरों को सलाह दी जाती है कि वे 29 अक्टूबर की दोपहर तक उत्तर-पश्चिम बंगाल की खाड़ी और पश्चिम बंगाल के तटों के पास न जाएं।
- ❖ 31 अक्टूबर तक अंडमान सागर और अंडमान व निकोबार द्वीप समूह के आसपास और उससे सटे इलाकों में, तथा 31 अक्टूबर को दक्षिण-पूर्वी बंगाल की खाड़ी में।

अगले 4 दिनों के दौरान दिल्ली/NCR में मौसम की स्थिति और पूर्वानुमान (अनुलग्नक III देखें)

अधिक जानकारी के लिए, कृपया राष्ट्रीय मौसम बुलेटिन देखें:

https://mausam.imd.gov.in/responsive/all_india_forecast_bulletin.php

जिला-वार चेतावनियों के लिए: <https://mausam.imd.gov.in/responsive/districtWiseWarningGIS.php>

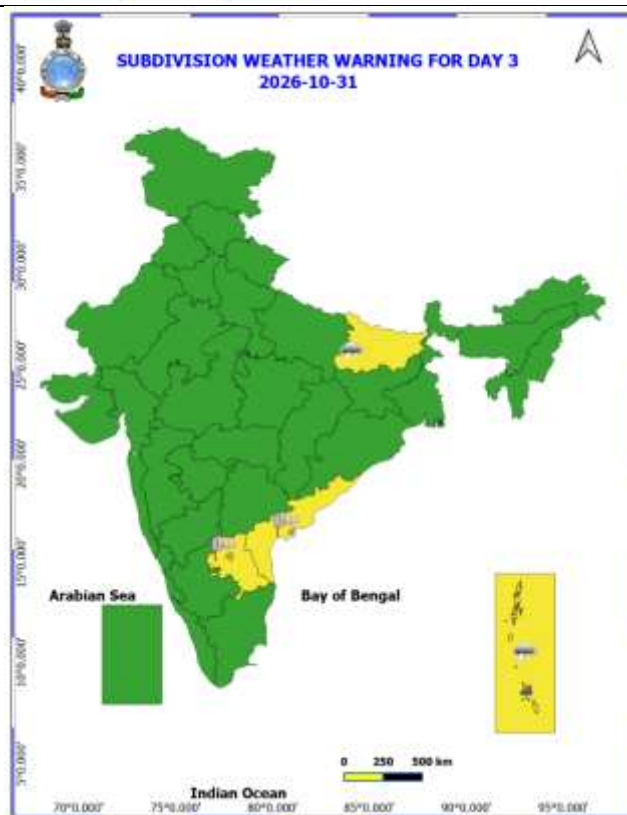
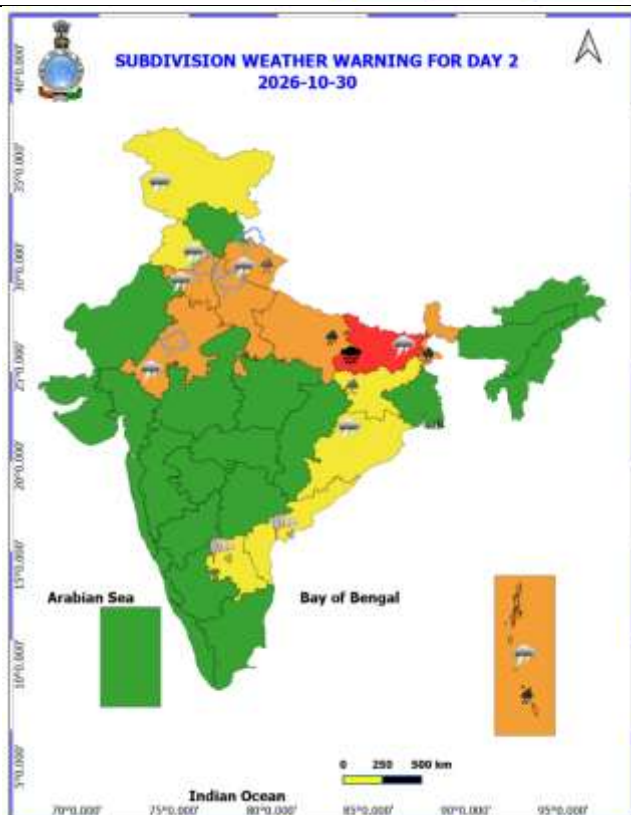
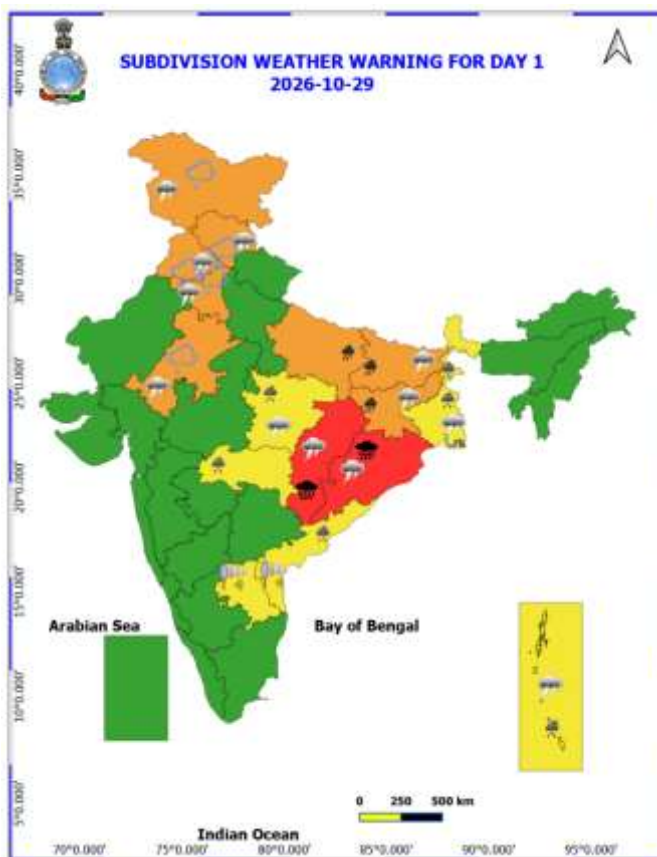
मछुआरों की चेतावनी के लिए: <https://rsmcnewdelhi.imd.gov.in/fishermen-warning.php>

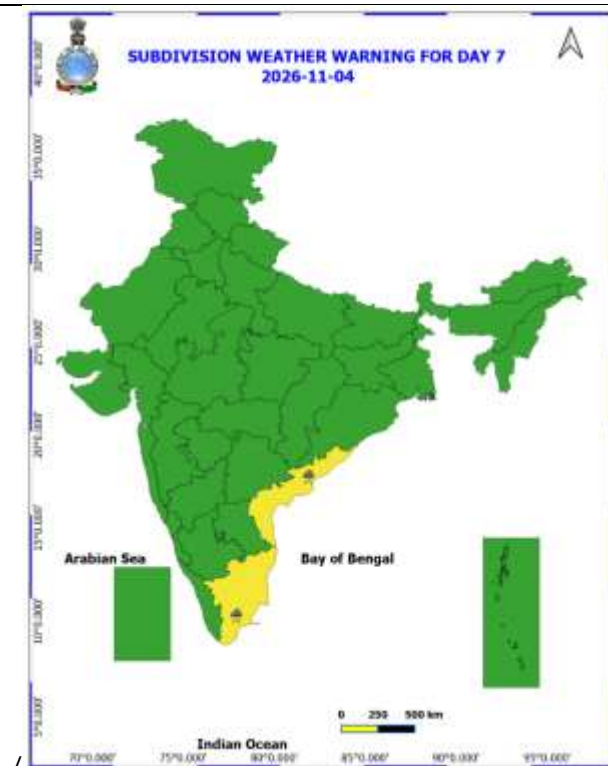
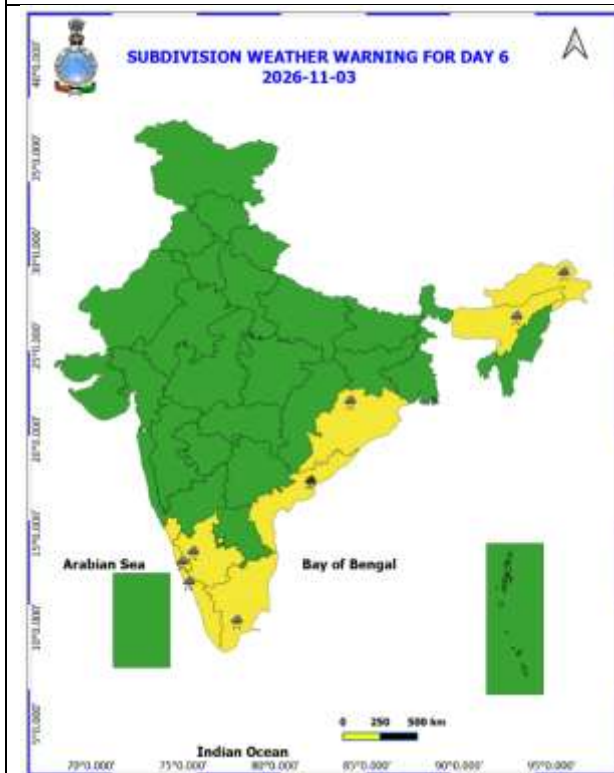
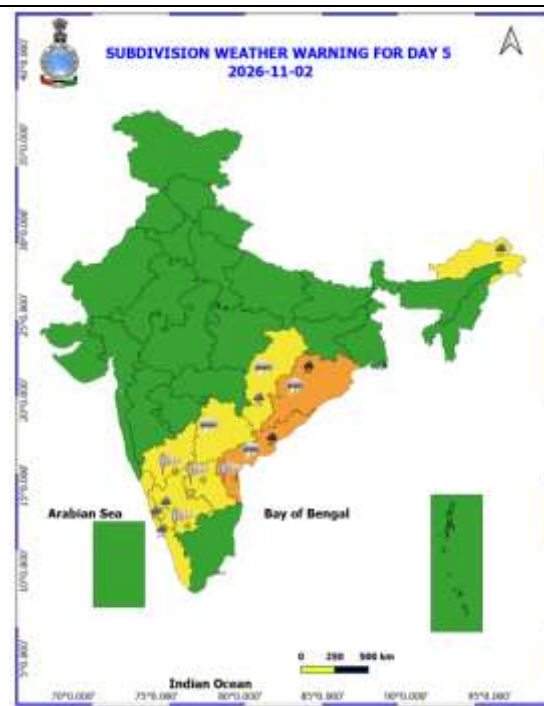
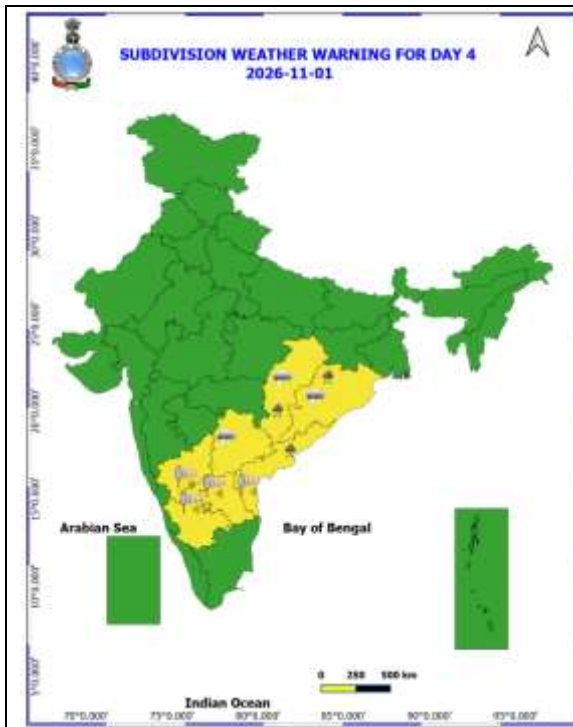
सबसे ज़्यादा बारिश (≥ 7 cm) (कल 0830 बजे IST से आज 0830 बजे IST तक अलग-अलग मौसम विभाग में) दर्ज की गई:

- ❖ ओडिशा: गंजाम 55
- ❖ तटीय आंध्र प्रदेश और यनम: श्रीकाकुलम (इचापुरम) 24
- ❖ गंगीय पश्चिम बंगाल: सागर द्वीप 8
- ❖ छत्तीसगढ़: सुकमा 7
- ❖ तेलंगाना: असवाराओपेटा (जिला बी. कोठागुडेम) 7
- ❖ झारखंड: गुड़ाबांदा 7।

Table-1								
7 Days Rainfall Forecast								
S.No.	Subdivision	29- Oct	30- Oct	31- Oct	1- Nov	2- Nov	3- Nov	4- Nov
		Day 1	Day 2	Day 3	Day 4	Day 5	Day 6	Day 7
1	ANDAMAN & NICOBAR ISLANDS	WS	WS	FWS	SCT	SCT	SCT	SCT
2	ARUNACHAL PRADESH	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	SCT	SCT	SCT
3	ASSAM & MEHGHALAYA	ISOL	ISOL	ISOL	SCT	SCT	SCT	SCT
4	NAGALAND, MANIPUR, MIZORAM AND TRIPURA	SCT	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL
5	SUB HIMALAYAN WEST BENGAL & SIKKIM	WS	WS	FWS	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL
6	GANGETIC WEST BENGAL	WS	FWS	ISOL	ISOL	ISOL	SCT	SCT
7	ODISHA	WS	FWS	SCT	FWS	SCT	ISOL	ISOL
8	JHARKHAND	WS	WS	SCT	SCT	SCT	SCT	ISOL
9	BIHAR	WS	WS	SCT	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL
10	EAST UTTAR PRADESH	FWS	FWS	SCT	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL
11	WEST UTTAR PRADESH	SCT	SCT	ISOL	DRY	DRY	DRY	DRY
12	UTTARAKHAND	FWS	SCT	ISOL	ISOL	ISOL	DRY	DRY
13	HARYANA, CHANDIGARH & DELHI	FWS	FWS	ISOL	DRY	DRY	DRY	DRY
14	PUNJAB	SCT	SCT	ISOL	DRY	DRY	DRY	DRY
15	HIMACHAL PRADESH	SCT	SCT	ISOL	ISOL	ISOL	DRY	DRY
16	JAMMU AND KASHMIR AND LADAKH	SCT	ISOL	DRY	ISOL	DRY	DRY	DRY
17	WEST RAJASTHAN	ISOL	ISOL	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY
18	EAST RAJASTHAN	ISOL	SCT	SCT	ISOL	DRY	DRY	DRY
19	WEST MADHYA PRADESH	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL
20	EAST MADHYA PRADESH	FWS	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL
21	GUJRAT REGION	ISOL	ISOL	ISOL	DRY	DRY	DRY	DRY
22	SAURASHTRA & KUTCH	DRY	ISOL	ISOL	DRY	DRY	DRY	DRY
23	KONKAN & GOA	ISOL	ISOL	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY
24	MADHYA MAHARASHTRA	ISOL	ISOL	ISOL	DRY	DRY	DRY	DRY
25	MARATHWADA	ISOL	ISOL	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY
26	VIDARBHA	SCT	ISOL	ISOL	ISOL	DRY	DRY	DRY
27	CHHATTISGARH	WS	WS	FWS	SCT	SCT	FWS	FWS
28	COASTAL ANDHRA PRADESH	ISOL	ISOL	ISOL	SCT	FWS	FWS	SCT
29	TELANGANA	ISOL	ISOL	ISOL	SCT	FWS	ISOL	ISOL
30	RAYALASEEMA	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	SCT	SCT	ISOL
31	TAMILNADU & PUDUCHERRY	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL
32	COSTAL KARNATAKA	ISOL	DRY	ISOL	SCT	FWS	FWS	FWS
33	NORTH INTERIOR KARNATAKA	DRY	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	SCT	SCT
34	SOUTH INTERIOR KARNATAKA	ISOL	ISOL	ISOL	SCT	FWS	FWS	FWS
35	KERALA AND MAHE	ISOL	ISOL	ISOL	SCT	FWS	FWS	FWS
36	LAKSHADWEEP	DRY	DRY	DRY	DRY	SCT	SCT	SCT

- जैसे-जैसे लीड पीरियड बढ़ता है पूर्वानुमान सटीकता कम हो जाती है।





- नारंगी और लाल रंग की चेतावनियों के आधार पर कार्रवाई की जा सकती है।
- असुरक्षित क्षेत्रों में भारी वर्षा की चेतावनी के लिए शहरी और पहाड़ी क्षेत्रों में कार्रवाई शुरू की जा सकती है।
- जैसे-जैसे समय बढ़ता है, पूर्वानुमान की सटीकता कम होती जाती है।

अगले पाँच दिनों के लिए जिलेवार विस्तृत बहु-जोखिम मौसम चेतावनी यहाँ उपलब्ध है

<https://mausam.imd.gov.in/responsive/districtWiseWarningGIS.php>

29 अक्टूबर से 01 नवंबर 2026 के दौरान दिल्ली/NCR में मौसम का पूर्वानुमान

पिछला मौसम:

पिछले 24 घंटों के दौरान दिल्ली में अधिकतम तापमान में कोई बड़ा बदलाव नहीं आया है, जबकि न्यूनतम तापमान में 2-3°C की वृद्धि हुई है। पिछले 24 घंटों में दिल्ली में अधिकतम तापमान 29-32°C और न्यूनतम तापमान 17-19°C के बीच दर्ज किया गया। कुछ जगहों पर न्यूनतम तापमान सामान्य से काफी अधिक (3.1°C से 5.0°C) रहा, कुछ अलग-अलग जगहों पर सामान्य से अधिक (1.6°C से 3.0°C) रहा, और दिल्ली के बाकी हिस्सों में यह सामान्य (-1.5°C से 1.5°C) रहा। अधिकतम तापमान कुछ अलग-अलग जगहों पर सामान्य से कम (-1.6°C से -3.0°C) रहा, जबकि दिल्ली के बाकी हिस्सों में यह सामान्य (-1.5°C से 1.5°C) रहा। पिछले 24 घंटों के दौरान दिल्ली में आसमान मुख्य रूप से साफ रहा और उत्तर-पूर्व दिशा से 15 किमी प्रति घंटे तक की गति से हवाएं चलीं। आज सुबह के समय इस क्षेत्र में आसमान आमतौर पर बादल छाए रहे और उत्तर-पूर्व दिशा से 55 किमी प्रति घंटे तक की गति से हवाएं चलीं।

मौसम का पूर्वानुमान:

29.10.2026: आसमान में आमतौर पर बादल छाए रहेंगे। दोपहर/शाम के समय कई जगहों पर बहुत हल्की से हल्की बारिश के साथ आंधी/बिजली कड़कने की संभावना है, जबकि कुछ अलग-अलग जगहों पर मध्यम बारिश हो सकती है। दिल्ली में अधिकतम तापमान 26-28°C के बीच रहने की संभावना है। दिल्ली के अधिकांश हिस्सों में अधिकतम तापमान सामान्य से काफी कम (-3.1°C से -5.0°C) रहेगा। दोपहर के समय उत्तर-पूर्व दिशा से हवाएं चलने की संभावना है, जिनकी गति 16 किमी प्रति घंटे तक हो सकती है। शाम और रात के समय उत्तर-पूर्व दिशा से चलने वाली हवाओं की गति बढ़कर 20 किमी प्रति घंटे तक हो सकती है।

30.10.2026: आसमान में आंशिक रूप से लेकर आमतौर पर बादल छाए रहेंगे। सुबह से लेकर दोपहर से पहले तक कई जगहों पर बहुत हल्की बारिश के साथ आंधी-तूफान/बिजली कड़कने और 30-40 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवाएं चलने की संभावना है। दिल्ली में अधिकतम तापमान 27°C से 29°C और न्यूनतम तापमान 16°C से 18°C के बीच रहने की उम्मीद है। कई जगहों पर न्यूनतम तापमान सामान्य के करीब (-1.5°C से 1.5°C) रहेगा, जबकि दिल्ली के ज्यादातर हिस्सों में अधिकतम तापमान सामान्य से काफी कम (-3.1°C से -5.0°C) रहने की संभावना है। सुबह के समय मुख्य रूप से पूर्व दिशा से हवाएं चलेंगी, जिनकी गति 16 किमी प्रति घंटे तक हो सकती है। दोपहर के समय हवा की गति बढ़कर 20 किमी प्रति घंटा तक हो जाएगी और ये दक्षिण-पूर्व दिशा से चलेंगी। शाम और रात के समय हवा की गति कम होकर 15 किमी प्रति घंटा तक रह जाएगी, और ये दक्षिण-पूर्व दिशा से चलेंगी।

31.10.2026: आसमान में आंशिक रूप से बादल छाए रहेंगे। दिल्ली में अधिकतम तापमान 28°C से 30°C और न्यूनतम तापमान 17°C से 19°C के बीच रहने की संभावना है। ज्यादातर जगहों पर न्यूनतम तापमान सामान्य से अधिक (1.6°C से 3.0°C) रहेगा, जबकि दिल्ली के अधिकांश हिस्सों में अधिकतम तापमान सामान्य से कम (-1.5°C से -3.0°C) रहने की उम्मीद है। सुबह के समय मुख्य रूप से दक्षिण-पूर्व दिशा से हवाएं चलेंगी, जिनकी गति 12 किमी प्रति घंटे तक हो सकती है। दोपहर के समय हवा की गति बढ़कर 15 किमी प्रति घंटा तक हो जाएगी और ये पूर्व दिशा से चलेंगी। शाम और रात के समय हवा की गति कम होकर 10 किमी प्रति घंटा तक रह जाएगी, और ये दक्षिण-पूर्व दिशा से चलेंगी।

01.11.2026: आसमान मुख्य रूप से साफ रहेगा। दिल्ली में अधिकतम तापमान 29°C से 31°C और न्यूनतम तापमान 16°C से 18°C के बीच रहने की संभावना है। कई जगहों पर न्यूनतम तापमान सामान्य के करीब (-1.5°C से 1.5°C) रहेगा, जबकि दिल्ली के ज्यादातर इलाकों में अधिकतम तापमान सामान्य से कम (-1.5°C से -3.0°C) रहने के आसार हैं। सुबह के समय मुख्य रूप से उत्तर-पश्चिम दिशा से हवाएं चलेंगी, जिनकी गति 12 किमी प्रति घंटा तक हो सकती है। दोपहर के समय उत्तर-पश्चिम दिशा से चलने वाली इन हवाओं की गति बढ़कर 15 किमी प्रति घंटा तक पहुंच सकती है। शाम और रात के समय हवा की गति कम होकर 10 किमी प्रति घंटा तक रह जाएगी और हवा की दिशा उत्तर की ओर हो जाएगी।

अत्यधिक/ बहुत भारी बारिश के कारण संभावित असर और सुझाए गए उपाय:

- ❖ 29 अक्टूबर को छत्तीसगढ़ और ओडिशा में; 30 तारीख को उत्तरी बिहार में कहीं-कहीं अत्यधिक भारी बारिश होने की संभावना है।
- ❖ 2 से 3 नवंबर के दौरान तटीय आंध्र प्रदेश और यनम में भी कहीं-कहीं बहुत भारी बारिश होने की संभावना है।

संभावित असर:

- ❖ पेड़ों की टहनियाँ टूट सकती हैं और केले, पपीते, सहजन जैसे छोटे पेड़ उखड़ सकते हैं। तेज़ हवा और बारिश से बागवानी और खड़ी फसलों को नुकसान हो सकता है।
- ❖ तेज़ हवा और बारिश के कारण कमज़ोर ढांचों को आंशिक नुकसान हो सकता है।
- ❖ भारी बारिश के कारण कच्चे घरों/दीवारों, झोपड़ियों और सड़कों को मामूली नुकसान हो सकता है।
- ❖ हल्की चीज़ें उड़ सकती हैं।
- ❖ छोटे जहाज़, ट्रॉलर और नावें प्रभावित हो सकती हैं।
- ❖ भारी बारिश और तेज़ हवाओं के कारण सड़क और रेल यातायात प्रभावित हो सकता है।
- ❖ निचले इलाकों में कहीं-कहीं भूस्खलन, कीचड़ का बहाव, ज़मीन खिसकने, जलभराव और बाढ़ की स्थिति बन सकती है।
- ❖ भारी बारिश के कारण कभी-कभी दृश्यता (visibility) कम हो सकती है।
- ❖ हेलीकॉप्टर सेवाएँ प्रभावित हो सकती हैं।

सुझाए गए उपाय:

- ❖ लोगों को सलाह दी जाती है कि वे मौसम की बिगड़ती स्थिति पर नज़र रखें और ज़रूरत पड़ने पर सुरक्षित स्थानों पर जाने के लिए तैयार रहें।
- ❖ सुरक्षित आश्रय लें; पेड़ों के नीचे आश्रय न लें, क्योंकि बिजली गिर सकती है।
- ❖ बिजली गिरने की आशंका होने पर, बिजली/इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों का प्लग निकाल दें, तुरंत जलाशयों से बाहर निकलें और बिजली का संचालन करने वाली सभी चीज़ों से दूर रहें।
- ❖ पर्यटन और मनोरंजक गतिविधियों को नियंत्रित किया जाना चाहिए।
- ❖ तट के पास और समुद्र में होने वाली गतिविधियों को समझदारी से नियंत्रित किया जाना चाहिए।
- ❖ हेलीकॉप्टर सेवाओं को नियंत्रित किया जाना चाहिए।

भारी बारिश की संभावना को देखते हुए कृषि-मौसम सलाह

- ❖ ओडिशा में, खड़ी फसलों और नर्सरियों, खासकर निचले खेतों में, पानी की निकासी (ड्रेनेज) की उचित और निरंतर व्यवस्था सुनिश्चित करें। कटी हुई उपज को सुरक्षित स्थान पर रखें। खेतों में पानी की निकासी के रास्ते साफ रखें और बारिश कम होने तक बुआई, रोपाई, खाद डालने और पौधों की सुरक्षा से जुड़े कार्यों को टाल दें।
- ❖ छत्तीसगढ़ में, खड़ी फसलों और सब्जियों के खेतों में पानी की निकासी की उचित व्यवस्था करें। सर्दियों की सब्जियों की नई बुआई या रोपाई को टाल दें। फलों और सब्जियों की नर्सरियों को पॉलीथीन शीट या तिरपाल से ढककर सुरक्षित रखें।
- ❖ बिहार में, जहां संभव हो वहां जल्दी पकने वाली धान की फसल की तुरंत कटाई कर लें। कटी हुई उपज को सुरक्षित स्थान पर ले जाएं या उसे प्लास्टिक/पॉलीथीन शीट से ढक दें। पानी की निकासी के रास्तों को साफ रखें ताकि खड़ी फसलों और सब्जियों के खेतों से पानी आसानी से निकल सके। सरसों, चना, आलू और सर्दियों की सब्जियों की बुआई या रोपाई को टाल दें।
- ❖ झारखंड में, जल्दी बोई गई धान, मक्का, अरहर और रागी (फिंगर मिलेट) की कटी हुई उपज को तुरंत सुरक्षित स्थान पर ले जाएं या प्लास्टिक/पॉलीथीन शीट से ढक दें। खड़ी फसलों और सब्जियों के खेतों में पानी की निकासी की अच्छी व्यवस्था रखें। आलू और सरसों की बुआई को टाल दें।
- ❖ पूर्वी उत्तर प्रदेश में, कटी हुई उपज को सुरक्षित स्थान पर रखें या प्लास्टिक/पॉलीथीन शीट से ढक दें। चना, मसूर, सरसों, तोरिया, गेहूं, आलू और सर्दियों की सब्जियों की बुआई को टाल दें। गन्ने, बासमती धान, अन्य खड़ी फसलों और सब्जियों के खेतों में पानी की निकासी की उचित व्यवस्था करें; गन्ने के पौधों को सहारा दें और सब्जियों के पौधों को भी लकड़ी आदि लगाकर सहारा दें।

- ❖ पश्चिम बंगाल में, मौसम साफ होने पर तैयार मूंगफली की फसल की कटाई कर लें और उसे सुरक्षित स्थान पर रखें। खड़ी फसलों और सब्जियों के खेतों में पानी की निकासी की उचित व्यवस्था बनाए रखें।
- ❖ तटीय आंध्र प्रदेश में, धान, अरहर, मक्का, कपास और अन्य खड़ी फसलों तथा सब्जियों के खेतों में जलभराव को रोकने के लिए अतिरिक्त पानी को तुरंत निकाल दें। मौसम ठीक होने पर, गिरे हुए मक्का और मिर्च के पौधों को सहारा दें। दक्षिणी क्षेत्र में रबी फसलों की बुआई तब तक टाल दें, जब तक कि बारिश कम न हो जाए और मिट्टी की स्थिति बुआई के अनुकूल न हो जाए।
- ❖ पूर्वी मध्य प्रदेश में, यदि संभव हो तो तैयार सोयाबीन और मक्का की कटाई कर लें, कपास के खुले हुए टिंडों (बॉल्स) को चुन लें और कटी हुई उपज को सुरक्षित स्थान पर ले जाएं। सब्जियों के खेतों में पानी की निकासी के रास्तों को साफ रखें।
- ❖ अंडमान और निकोबार द्वीप समूह में, फसलों के खेतों और नर्सरियों में पानी की उचित निकासी सुनिश्चित करें। धान और सब्जियों की फसल पक जाने पर, बारिश न होने के समय उनकी कटाई करें और उपज को किसी ढकी हुई जगह पर सुखाएं। केले के पौधों को सहारा दें और सब्जियों की नर्सरी को बारिश से बचाने के लिए ऊंचे क्यारियों (रेज़्ड बेड्स) पर तैयार करें। बारिश के दौरान खाद और कीटनाशकों का इस्तेमाल न करें। सुपारी को फलों के सड़ने (फ्रूट रॉट) से बचाने के उपाय केवल तभी करें जब बारिश न हो रही हो।

ओलावृष्टि की संभावना को देखते हुए कृषि-मौसम सलाह:

- ❖ पश्चिमी उत्तर प्रदेश में, फलों के बागों और सब्जियों के खेतों में ओला-रोधी जाल (हेल नेट) या कवर का उपयोग करें, ताकि फसलों को भौतिक नुकसान से बचाया जा सके।

तूफान / तेज़ हवाओं के संभावित असर के लिए कृषि-मौसम सलाह

- ❖ कटी हुई फसल को सुरक्षित जगहों पर ले जाएं या खेतों में ही तिरपाल से ढक दें। तेज़ ज़मीनी हवाओं से फसल के उड़ने या बिखरने के जोखिम को कम करने के लिए कटी हुई फसल को मजबूती से बांधें और ढककर रखें।
- ❖ तेज़ हवाओं के कारण फसल को गिरने से बचाने के लिए बागवानी फसलों को यांत्रिक सहारा दें और सब्जियों व छोटे फलों के पौधों को सहारा (स्टेकिंग) दें।

पशुधन / पोल्ट्री / मत्स्य पालन पर भारी बारिश के संभावित असर के लिए सलाह

- ❖ भारी बारिश के दौरान जानवरों को शेड के अंदर रखें और उन्हें संतुलित चारा दें।
- ❖ चारे को खराब होने से बचाने के लिए सुरक्षित जगह पर रखें।
- ❖ तालाबों के चारों ओर जाली के साथ पानी निकालने का रास्ता (आउटलेट) बनाएं ताकि अतिरिक्त पानी निकल सके और पानी ओवरफ्लो होने पर मछलियां बाहर न निकल पाएं।

अचानक आई बाढ़ के लिए मार्गदर्शन:

30-10-2026 को 1130 IST तक अचानक बाढ़ का खतरा (एफएफआर):

अगले 24 घंटों के दौरान निम्नलिखित मौसम उप-मंडलों के कुछ जलक्षेत्रों और पड़ोस में मध्यम से उच्च बाढ़ का खतरा होने की संभावना है।

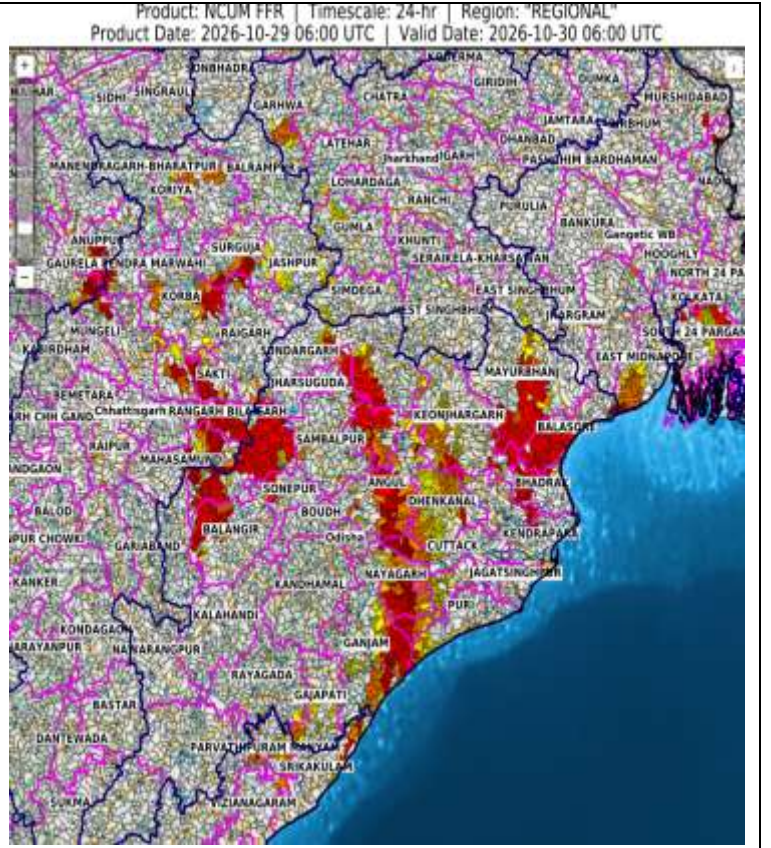
छत्तीसगढ़: मुंगेली, मनेंद्रगढ़-भरतपुर, गौरेला पेंड्रा मरवाही, जांजगीर, सकती, महासमुंद, कोरिया, जशपुर, सरगुजा, सूरजपुर, रायगढ़, कोरबा और बलरामपुर जिले

ओडिशा: अंगुल, बलांगीर, बालासोर, भद्रक, बौध, कटक, देवगढ़, ढेंकनाल, गजपति, गंजम, जाजपुर, झारसुगुड़ा, कंधमाल, केंद्रपाड़ा, क्यौझरगढ़, खुर्दा, मयूरभंज, नवापारा, नयागढ़, पुरी, रायगड़ा, संबलपुर, सुंदरगढ़, नवरंगपुर और बरगढ़ जिले

गांगेय पश्चिम बंगाल: पश्चिम मिदनापुर, पूर्वी मिदनापुर, बांकुरा, उत्तर 24 परगना और दक्षिण 24 परगना जिले

तटीय आंध्र प्रदेश और यनम: श्रीकाकुलम, विशाखापत्तनम, विजयनगरम और पार्वतीपुरम मान्यम जिले

जैसा कि मानचित्र में दिखाया गया है, अगले 24 घंटों में अपेक्षित वर्षा के कारण चिंता क्षेत्र (एओसी) पर कुछ पूरी तरह से संतृप्त मिट्टी और निचले इलाकों में सतही अपवाह/बाढ़ हो सकती है।

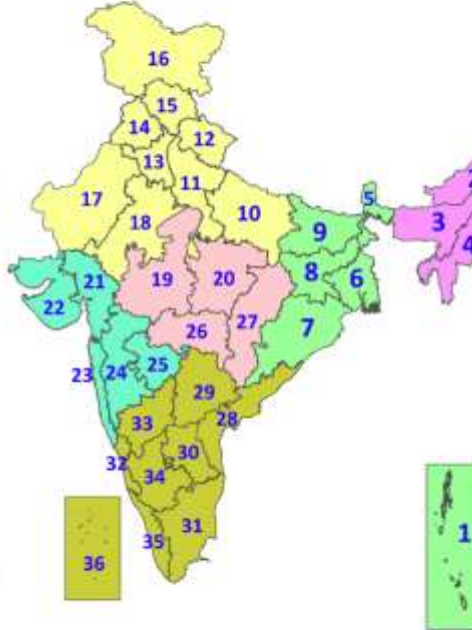


संकेत और संक्षिप्त नाम:

- ❖ भारी बारिश: 64.5-115.5 मिमी; बहुत भारी बारिश: 115.6-204.4 मिमी; अत्यधिक भारी बारिश: >204.4 मिमी।
- ❖ Obsy: वेधशाला (Observatory); Automatic Weather Station; ARG: Automatic Rain Gauge; dist: ज़िला; NH: नेशनल हाईवे; KVK: कृषि विज्ञान केंद्र; DVC: दामोदर वैली कॉर्पोरेशन; PTO: पार्ट टाइम ऑफिस; Aero: एयरोड्रोम; IAF: भारतीय वायु सेना।
- ❖ मौसम संबंधी उप-विभागों का क्षेत्र-वार वर्गीकरण:
- ❖ उत्तर-पश्चिम भारत: पश्चिमी हिमालयी क्षेत्र (जम्मू-कश्मीर-लद्दाख-गिलगित-बाल्टिस्तान-मुजफ्फराबाद, हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड); पंजाब, हरियाणा, चंडीगढ़ और दिल्ली; पश्चिमी उत्तर प्रदेश, पूर्वी उत्तर प्रदेश, पश्चिमी राजस्थान और पूर्वी राजस्थान।
- ❖ मध्य भारत: पश्चिमी मध्य प्रदेश, पूर्वी मध्य प्रदेश, विदर्भ और छत्तीसगढ़।
- ❖ पूर्वी भारत: बिहार, झारखंड, उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम; गांगेय पश्चिम बंगाल, ओडिशा और अंडमान और निकोबार द्वीप समूह।
- ❖ उत्तर-पूर्व भारत: अरुणाचल प्रदेश, असम और मेघालय तथा नागालैंड, मणिपुर, मिज़ोरम और त्रिपुरा।
- ❖ पश्चिमी भारत: गुजरात क्षेत्र, सौराष्ट्र और कच्छ, तटीय महाराष्ट्र (कोंकण) और गोवा, मध्य महाराष्ट्र और मराठवाड़ा।
- ❖ दक्षिण भारत: तटीय आंध्र प्रदेश और यनम, तेलंगाना, रायलसीमा, तटीय कर्नाटक, उत्तरी आंतरिक कर्नाटक, दक्षिणी आंतरिक कर्नाटक, केरल और माहे, तमिलनाडु, पुडुचेरी और कराईकल तथा लक्षद्वीप।

LEGENDS

1. अंडमान और निकोबार द्वीपसमूह
2. अरुणाचल प्रदेश
3. असम और मेघालय
4. नागालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा
5. उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम
6. गंगीय पश्चिम बंगाल
7. ओडिशा
8. झारखंड
9. बिहार
10. पूर्वी उत्तर प्रदेश
11. पश्चिम उत्तर प्रदेश
12. उत्तराखंड
13. हरियाणा, चंडीगढ़ और दिल्ली
14. पंजाब
15. हिमाचल प्रदेश
16. जम्मू और कश्मीर और लद्दाख
17. पश्चिम राजस्थान
18. पूर्वी राजस्थान
19. पश्चिम मध्य प्रदेश
20. पूर्वी मध्य प्रदेश
21. गुजरात
22. सौराष्ट्र
23. कोंकण और गोवा
24. मध्य महाराष्ट्र
25. मराठवाड़ा
26. विदर्भ
27. छत्तीसगढ़
28. तटीय आंध्र प्रदेश और यनम
29. तेलंगाना
30. रायलसीमा
31. तमिलनाडु, पुडुचेरी और कराईकल
32. तटीय कर्नाटक
33. आंतरिक उत्तरी कर्नाटक
34. आंतरिक दक्षिणी कर्नाटक
35. केरल और माहे
36. लक्षद्वीप



1. Andaman & Nicobar Islands
2. Arunachal Pradesh
3. Assam & Meghalaya
4. Nagaland, Manipur, Mizoram & Tripura
5. Sub-Himalayan West Bengal & Sikkim
6. Gangetic West Bengal
7. Odisha
8. Jharkhand
9. Bihar
10. East Uttar Pradesh
11. West Uttar Pradesh
12. Uttarakhand
13. Haryana, Chandigarh & Delhi
14. Punjab
15. Himachal Pradesh
16. Jammu & Kashmir and Ladakh
17. West Rajasthan
18. East Rajasthan
19. West Madhya Pradesh
20. East Madhya Pradesh
21. Gujarat
22. Saurashtra
23. Konkan & Goa
24. Madhya Maharashtra
25. Marathwada
26. Vidarbha
27. Chhattisgarh
28. Coastal Andhra Pradesh & Yanam
29. Telangana
30. Rayalaseema
31. Tamilnadu, Puducherry & Karaikal
32. Coastal Karnataka
33. North Interior Karnataka
34. South Interior Karnataka
35. Kerala & Mahe
36. Lakshadweep

SPATIAL DISTRIBUTION (% of Stations reporting)

% Stations	Category	% Stations	Category
76-100	Widespread (WS/Most Places)	26-50	Scattered (SCT/A Few Places)
51-75	Fairly Widespread (FWS/Many Places)	1-25	Isolated (ISOL)



Heavy Snow

Dust Storm

Heat Wave

Warm Night

Hot Day

Hot & Humid

Strong Surface Winds



Cold Wave

Cold Day

Ground Frost

COLOUR CODED WARNING

No Warning (No Action)

Watch (Be Aware)

Alert (Be Prepared To Take Action)

Warning (Take Action)

Probabilistic Forecast

Terms	Probability of Occurrence (%)
Unlikely	< 25
Likely	25 - 50
Very Likely	50 - 75
Most Likely	> 75

* Red colour warning does not mean "Red Alert", Red colour warning means "Take Action".

Forecast and Warning for any day is valid from 0830 hours IST of day till 0830 hours IST of next day.

For more details, kindly visit <https://mausam.imd.gov.in> or contact: 011-2434-4599

(Service to the Nation since 1875)

DEFINITION/CRITERIA

Rain/ Snow *	Heavy: 64.5 to 115.5 mm/cm * Very Heavy: 115.6 to 204.4 mm/cm * Extremely Heavy: > 204.4 mm/cm *
Heat Wave	When maximum temperature of a station reaches $\geq 40^{\circ}\text{C}$ for plains and $\geq 30^{\circ}\text{C}$ for hilly regions (a) Based on Departure from normal Heat Wave: Maximum Temperature Departure from normal 4.5°C to 6.4°C . Severe Heat Wave: Maximum Temperature Departure from normal $\geq 6.5^{\circ}\text{C}$ (b). Based on Actual maximum temperature Heat Wave: When actual maximum temperature $\geq 45^{\circ}\text{C}$. Severe Heat Wave: When actual maximum temperature $\geq 47^{\circ}\text{C}$ (c). Criteria for heat wave for coastal stations When maximum temperature departure is $> 4.5^{\circ}\text{C}$ from normal. Heat Wave may be described provided maximum temperature $\geq 37^{\circ}\text{C}$
Warm Night	When maximum temperature remains 40°C Warm Night: When minimum temperature departure 4.5°C to 6.4°C . Severe Warm Night: When minimum temperature departure $> 6.4^{\circ}\text{C}$.
Cold Wave	When minimum temperature of a station $\leq 10^{\circ}\text{C}$ for plains and $\leq 0^{\circ}\text{C}$ for hilly regions. (a). Based on departure Cold Wave: Minimum Temperature Departure from normal -4.5°C to -6.4°C . Severe Cold Wave: Minimum Temperature Departure from normal $\leq -6.5^{\circ}\text{C}$ (b) Based on actual Minimum Temperature (for Plains only) Cold Wave : When Minimum Temperature is $\leq 4.0^{\circ}\text{C}$ Severe Cold Wave: When Minimum Temperature is $\leq 2.0^{\circ}\text{C}$ (c) For Coastal Stations When Minimum Temperature departure is $\leq -4.5^{\circ}\text{C}$ & actual Minimum Temperature is $\leq 15^{\circ}\text{C}$
Cold Day	When minimum temperature of a station $\leq 10^{\circ}\text{C}$ for plains and $\leq 0^{\circ}\text{C}$ for hilly regions Based on departure Cold Day: Maximum Temperature Departure from normal -4.5°C to -6.4°C . Severe Cold Day: Maximum Temperature Departure from normal $\leq -6.5^{\circ}\text{C}$
Fog	Phenomenon of small droplets suspended in air and the horizontal visibility $< 1\text{km}$ Moderate Fog: When the visibility between 500-200 metres Dense Fog: when the visibility between 50-200 metres Very Dense Fog: when the visibility < 50 metres
Thunderstorm	Sudden electrical discharges manifested by a flash of light (Lightning) and a sharp rumbling sound (thunder)
Dust/Sand Storm	An ensemble of particles of dust or sand energetically lifted to great heights by a strong and turbulent wind.
Frost	Ice deposits on ground Air temperature $\leq 4^{\circ}\text{C}$ (over Plains)
Squall	A strong wind that rises suddenly, lasts for atleast 1 minute. Moderate: Wind speed 52-61 kmph Severe: Wind speed 62-87 kmph Very Severe: Wind speed > 87 kmph
Sea State	Effect of various waves in the sea over specific area Rough to very rough: Wind speed 41-62 kmph (22-33 knots) & Wave height 2.5-6 metre High to very high: Wind speed 63-117 kmph (34-63 knots) & Wave height 6-14 metre Phenomenal: Wind speed > 117 kmph (> 63 knots) & Wave height > 14 metre
Cyclone	Cyclonic Storm: Wind speed 62-87 kmph (34-47 knots) Severe Cyclonic Storm: Wind speed 88-117 kmph (48-63 knots) Very Severe Cyclonic Storm: Wind speed 118-165 kmph (64 - 89 knots) Extremely Severe Cyclonic Storm: Wind speed 166-220 kmph (90 -119 knots) Super Cyclone Storm: Wind speed > 220 kmph (> 119 knots)

* Red colour warning does not mean "Red Alert", Red colour warning means "Take Action".
Forecast and Warning for any day is valid from 0830 hours IST of day till 0830 hours IST of next day.
For more details, kindly visit <https://mausam.imd.gov.in> or contact: 011-2434-4599
(Service to the Nation since 1875)

